

कार्यालय मुख्य वन संरक्षक, कानपुर मण्डल, कानपुर
पत्रांक ६०५) ११४-१ दिनांक, कानपुर, मई १९ २०१५

सेवामें,

मुख्य वन संरक्षक / नोडल अधिकारी
उत्तर प्रदेश, लखनऊ

विषय:

जनपद इटावा में राष्ट्रीय राजमार्ग-७१९ (पुसना राष्ट्रीय राजमार्ग-९२) के किलोमीटर ६०.००० से किलोमीटर ६९.८५० तक (एस०एस०पी० चौराहे से यात्रा पुल तक सड़क चौड़ीकरण हेतु ७.७२८५ हेट० (संरक्षित वनभूमि व आरक्षित वनभूमि) के हस्तान्तरण एवं उस पर खड़े दृगों के पातन की अनुमति।

सन्दर्भ:

- १— भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मन्त्रालय, अलीगंज लखनऊ के पत्रांक ४ बी/यपी./०६/२०१५/एफ.सी./१३३ दिन ११.०५.२०१५।
- २— प्रभागीय निदेशक साठवां प्रभाग इटावा का पत्रांक २६१३/१४-१०-१ दिनांक ११.०५.२०१५ व २६६९/१४-१०-१ दिनांक १६.०५.२०१५।

महोदय,

उपरोक्त विषयक सन्दर्भ में अनुरोध करना है, कि भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मन्त्रालय के उपरोक्त सन्दर्भित पत्रांक ४ बी/यपी./०६/२०१५/एफ.सी./१३३ दिन ११.०५.२०१५ से उक्त प्रकरण में कठितप्रय आपत्तियों की गई है। इस सम्बन्ध में प्रभागीय निदेशक साठवां प्रभाग इटावा ने अपने पत्रांक २६६९/१४-१०-१ दिनांक १६.०५.२०१५ अवगत कराया है कि सहायक अभियन्ता, राष्ट्रीय मार्ग खान्ड, लोक निर्माण विभाग, इटावा व प्रभागीय निदेशक इटावा ने दिन ११.०५.२०१५ को भारत सरकार पर्यावरण एवं वन मन्त्रालय के कार्यालय में उपस्थित होकर इगिति कमियों का प्रस्ताव में यथा स्थान पर निराकरण कर बाँछित अभिलेख भी संलग्न कर दिये हैं तथा इस आशय की आख्या प्रभागीय निदेशक इटावा ने पत्र सख्त २६१३/१४-१०-१ दिन ११.०५.२०१५ (प्रति संलग्न) द्वारा भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मन्त्रालय, अलीगंज लखनऊ को उपलब्ध करा दी गई है।

प्रभागीय निदेशक इटावा ने उनके उपरोक्त सन्दर्भित पत्र १६.०५.२०१५ द्वारा सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मन्त्रालय, अलीगंज लखनऊ के उपरोक्त सन्दर्भित पत्र दिनांक ११.०५.२०१५ के कम में निम्नवत्त आख्या उपलब्ध कराई है।

विन्दु संख्या-१— प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा ४० हजार मानव दिवस रोजगार सूचना सम्बन्धी सूचना (परिवर्तित पृष्ठ ०६ पर) अंकित कर दी है।

विन्दु संख्या-२— प्रभागीय निदेशक इटावा द्वारा बानरपतिक धनत्व सम्बन्धी राही सूचना (बानरपतिक धनत्व से ०३) परिवर्तित पृष्ठ ०९ पर अंकित कर दी गई है।

विन्दु संख्या-३— जो कि N.P.V. की गणना में संशोधन के सम्बन्ध में है, जिसके कम में पृष्ठ संख्या-२१ पर प्रयोक्ता अभिकरण की बचनबद्धता का प्रमाण पत्र प्रस्ताव के संलग्न है।

विन्दु संख्या-४— जो कि पृष्ठ संख्या-६ के कालम-१२ में उल्लेखन से सम्बन्धित किसी सूचना के उल्लेख नहीं करने के सम्बन्ध में है, उक्त विषयक सूचना को परिवर्तित पृष्ठ १० पर ठीक कर दिया गया है।

विन्दु संख्या-५— जो कि प्रस्ताव में प्रदत्त कई प्रकार की बचनबद्धता प्रमाण पत्र में प्रयोक्ता अभिकरण की मुहर व दिनांक का उल्लेख न होने एवं प्रभागीय बनाधिकारी द्वारा प्रतिहस्ताकारित कराने के सम्बन्ध में है, जिसे प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा मुहर व दिनांक अंकित कर दी गई है एवं प्रभागीय निदेशक इटावा द्वारा प्रतिहस्ताकारित कर प्रस्ताव के साथ संलग्न कर दिया गया है।

विन्दु-सं०-६- जो कि पृष्ठ संख्या-१४ में प्रमाणीय वनाधिकारी द्वारा अधूरी रथल निरीक्षण आख्या के सम्बन्ध में है, जिसे प्रमाणीय निदेशक इटावा द्वारा पूर्ण कर परिवर्तित पृष्ठ १९ पर प्रस्ताव के साथ संलग्न कर दिया गया है।

विन्दु स०-७— जो कि पृष्ठ स०-२० में प्रमाणीय वनाधिकारी द्वारा स्थल उपस्थितता प्रमाण पत्र निर्धारित प्रबन्ध में प्रस्तुत नहीं करने के सम्बन्ध में है, जिसे प्रमाणीय निदेशक इटाया द्वारा निर्धारित प्रारूप में प्रस्ताव के साथ परिवर्तित पृष्ठ 25 पर सलग्न कर दिया गया है।

बिन्दु स०-८- जो कि पृष्ठ स०-२३ से ३३ तक संलग्न पातन होने वाले नुकी की सूची में अधिकतम गोलाई वर्ग (० से ३० स०ग्री) के ४२२१ पौधे हैं तथा होव ६५२ वृक्ष गोलाई वर्ग (३१ से ६० स०ग्री एवं उच्च गोलाई वर्ग) के हैं की सूचना/अन्युक्ति में दिये जाने के सम्बन्ध में है, जिसे प्रभागीय निरेकण द्वारा अन्युक्ति में परिवर्तित पृष्ठ २८ से ३६ पर कर दिया गया है।

विन्दु सं०-९ जो कि पृष्ठ सं०-३८, ३७, ३८ व ३९ में प्रमाण पत्र प्रभागीय वनाधिकारी द्वारा पूर्ण करने के सम्बन्ध में है, जिसे प्रभागीय निदेशक इटावा द्वारा पूर्ण कर प्रस्ताव में (परिवर्तित पृष्ठ ३९ से ४२ पर) संलग्न कर दिया गया है।

विन्दु स०-१०— जो कि पृष्ठ स०-५५ पर सलम्ब जिलाधिकारी इटावा का वनाधिकार अधिकार अधिनियम से सम्बन्धित प्रमाण पत्र निर्धारित प्रपत्र में न होने व सलग्नकों के न लगे होने के सम्बन्ध में है, जिसे प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा निर्धारित प्रारूप में गय सलग्नकों के साथ जिलाधिकारी इटावा से हस्ताक्षर कराकर प्रसादाव के (परिवर्तित पृष्ठ ५८ पर) साथ सलग्न कर दिया गया है।

बिन्दु स०-11— जो कि पृष्ठ स०-72 व 73 पर संलग्न डिजीटल मानवित्र अधूरा होने के सम्बन्ध में है, जिसे प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा पूर्ण कर प्रस्ताव के साथ (परिवर्तित पृष्ठ 79 से 80 पर) संलग्न कर दिया गया है।

बिन्दु स०-१२— जो कि क्षतिपूरक वृक्षारोपण हेतु प्रस्तावित रथल को डिजीटल मानवित्र/गूगल मानवित्र पर सभी बिन्दुओं को दर्शाते हुये अक्षोश व देशान्तर के साथ प्रस्तुत करने एवं प्रस्ताव में क्षतिपूरक वृक्षारोपण रथल को डिजीटल/मानवित्र (shp file) में दर्शाते हुये प्रस्तुत करने के सम्बन्ध में है। जिसे डिजीटल मानवित्र/गूगल मानवित्र पर अक्षोश व देशान्तर सहित पूर्ण कर दिया गया है।

अतः अनुरोध है कि उक्त प्रकरण में अयोत्तर कार्यवाची हेतु शारन के माध्यम से भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मन्त्रालय अलीगंज लखनऊ को लिखने की कृपा करें।

सैलानक— उपरोक्तानुसार ।

भावदीर्घ

मुख्य वन संरक्षक
गानपत्र मण्डल, कानपुर

पत्रांक / समिनांक

प्रतिलिपि— प्रभागीय निदेशक साठ्या० प्रभाग इटावा उनके उक्त सन्दर्भित पत्र पन्त्रांक सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।—

मुख्य वन संरक्षक
कानपुर मण्डल, कानपुर

कार्यालय प्रभागीय निदेशक, सामाजिक वानिकी प्रभाग, इटावा।
पत्रौक 2679 / 14-10-1 दिनांक, इटावा, मई, 16, 2015

सेवामें,

मुख्य बन संस्थाक,
कानपुर भण्डल, कानपुर।

विषय: जनपद इटावा में राष्ट्रीय राजमार्ग-719 (पुराना राष्ट्रीय राजमार्ग-92) के शिरोमी 60.000 से किमी 69.850 तक (एसोएसोपी 0 चौराहे से यमुना पुल तक सड़क चौड़ीकरण हेतु 7.7285 हेतु (संरक्षित बनभूमि व आरक्षित बनभूमि) के उत्तरान्तरण एवं उस पर खड़े बुद्धों के पारान की अनुमति।

सन्दर्भ: 1- भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मन्त्रालय का पत्रौक 8 बी/य.पी./06/2015/एफ.सी./133 दिन 11.05.2015
2- अधिशासी अभियन्ता, राष्ट्रीय मार्ग खण्ड, लोक निर्माण, इटावा का पत्रौक 543/त्व0आ0विठ्ठो 0 दिन 11.05.2015
3- इस कार्यालय का पत्रौक 2613/14-10-1 दिन 11.05.2015
4- आपका पत्रौक 6025/14-1 दिन 15.05.2015

महोदय,

उपरोक्त विषयक सन्दर्भ में अनुरोध करना है, कि भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मन्त्रालय के उपशील सन्दर्भित पत्रौक 8 बी/य.पी./06/2015/एफ.सी./133 दिन 11.05.2015 से उक्त प्रकरण में कठिनाय आपत्तियों की गई है। इस सम्बन्ध में सहायक अधिकारी, राष्ट्रीय मार्ग खण्ड, लोक निर्माण विभाग, इटावा व अधीकरणारी ने दिन 11.05.2015 को भारत सरकार पर्यावरण एवं बन मन्त्रालय के कार्यालय में उपस्थित होकर इगत कमियों वा प्रस्ताव में यथा स्थान पर निराकरण कर वाचित अभिलेख भी संलग्न कर दिये हैं। इस आवाय की आख्या इस कार्यालय की पत्रौक संख्या 2613/14-10-1 दिन 11.05.2015 (प्रति संलग्न) द्वारा उपलब्ध करा दी गई है। जिसका विवरण निम्न प्रकार है-

बिन्दु संख्या-1- प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा 40 हजार मानव दिवस द्वेषगार सूजन सम्बन्धी सूचना (परिवर्तित पृष्ठ 06 पर) अंकित कर दी है।

बिन्दु सं0-2- अधीकरणारी द्वारा बानसपालीक घनत्व सम्बन्धी राही सूचना (वानसपालीक घनत्व से 0.3) परिवर्तित पृष्ठ 09 पर अंकित कर दी गई है।

बिन्दु सं0-3- जो कि N.P.V की गणना में सांख्यन के सम्बन्ध में है, जिसके कम से पृष्ठ सं0-21 पर प्रयोक्ता अभिकरण की बदनवहुता का प्रमाण पत्र प्रस्ताव के संलग्न है।

बिन्दु सं0-4- जो कि पृष्ठ संख्या-6 के कालम-12 में उल्लेखन से सम्बन्धित किसी सूचना के उल्लेख नहीं करने के सम्बन्ध में है, उक्त विषयक सूचना वो परिवर्तित पृष्ठ 10 पर ठीक कर दिया गया है।

बिन्दु सं0-5- जो कि प्रस्ताव में प्रदत्त कई प्रकार की बदनवहुता प्रमाण पत्र में प्रयोक्ता अभिकरण की मुहर व दिनांक का उल्लेख न होने एवं प्रभागीय बनाविकारी द्वारा प्रतिहस्ताकरित कराने के सम्बन्ध में है, जिसे प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा मुहर व दिनांक अंकित कर दी गई है एवं अधीकरणारी द्वारा प्रतिहस्ताकरित कर प्रस्ताव के साथ संलग्न कर दिया गया है।

बिन्दु सं0-6- जो कि पृष्ठ संख्या-14 में प्रभागीय बनाविकारी द्वारा अक्षी स्थल निरीक्षण आख्या के सम्बन्ध में है, जिसे अधीकरणारी द्वारा पूर्ण कर परिवर्तित पृष्ठ 19 पर प्रस्ताव के साथ संलग्न कर दिया गया है।

बिन्दु सं0-7- जो कि पृष्ठ सं0-20 में प्रभागीय बनाविकारी द्वारा स्थल उपयुक्तता प्रमाण पत्र निर्धारित प्रत्यक्ष में प्रस्तुत नहीं करने के सम्बन्ध में है, जिसे अधीकरणारी द्वारा निर्धारित प्रारूप में प्रस्ताव के साथ परिवर्तित पृष्ठ 25 पर संलग्न कर दिया गया है।

बिन्दु सं0-8- जो कि पृष्ठ सं0-23 से 33 तक संलग्न पत्रन होने वाले बुद्धों की सूची में अधिकारम गोलाई बर्ग (0 से 30 लोमी) के 4221 पैदे हैं तथा औष 852 वृक्ष गोलाई बर्ग (31 से 60 सेमी एवं

(2)

उच्च गोलाई वर्ग) के हैं की सूचना/अधिकार में दिये जाने के सम्बन्ध में है, जिसे अधोहस्ताकारी द्वारा अनुकूल में परिवर्तित पृष्ठ 28 से 36 पर कर दिया गया है।

बिन्दु सं0-9- जो कि पृष्ठ सं0-36, 37, 38 व 39 में प्रमाण पत्र प्रमाणीय बनाविकारी द्वारा पूर्ण करने के सम्बन्ध में है, जिसे अधोहस्ताकारी द्वारा पूर्ण कर प्रस्ताव में (परिवर्तित पृष्ठ 39 से 42 पर) संलग्न कर दिया गया है।

बिन्दु सं0-10- जो कि पृष्ठ सं0-55 पर संलग्न जिलाविकारी इटावा का बनाविकार अधिकार अधिनियम से सम्बन्धित प्रमाण पत्र निर्धारित प्रपत्र में न होने व संलग्नकों के न लगे होने के सम्बन्ध में है, जिसे प्रयोक्ता अधिकरण द्वारा निर्धारित प्रारूप में मय संलग्नकों के साथ जिलाविकारी इटावा से हस्ताक्षर कराकर प्रस्ताव के (परिवर्तित पृष्ठ 58 पर) साथ संलग्न कर दिया गया है।

बिन्दु सं0-11- जो कि पृष्ठ सं0-72 व 73 पर संलग्न डिजीटल मानवित्र आदान होने के सम्बन्ध में है, जिसे प्रयोक्ता अधिकरण द्वारा पूर्ण कर प्रस्ताव के साथ (परिवर्तित पृष्ठ 79 से 80 पर) संलग्न कर दिया गया है।

बिन्दु सं0-12- जो कि बातिपूरक कुकारोपण हेतु प्रस्तावित स्थल को डिजीटल मानवित्र/गृहाल मानवित्र पर सभी बिन्दुओं को दर्शाते हुये अक्षीश व देशान्तर के साथ प्रस्तुत करने एवं प्रस्ताव में क्षतिपूरक कुकारोपण स्थल को डिजीटल/मानवित्र (shp file) में दर्शाते हुये प्रस्तुत करने के सम्बन्ध में है, जिसे डिजीटल मानवित्र/गृहाल मानवित्र पर अक्षीश व देशान्तर सहित पूर्ण कर दिया गया है।

अतः अनुरोध है कि उक्त प्रकरण में अप्रेत्तर कार्यवाही हेतु उच्चाधिकारियों को लिखने की कृपा करें।
संलग्नक- उपरोक्तानुसार।

मवदीय,

प्रमाणीय निदेशक,
सामाजिक वानिकी प्रभाग, इटावा।

✓ पत्रीक 2679 / समिनोंक:

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को उक्त विषयक सन्दर्भ में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

- (1) मुख्य चन रांझाक/नोडल अधिकारी, उठप्र०, लखनऊ।
- (2) अधिकारी अधिनियमा, शासीय मार्ग खान्द, लोक निर्माण विभाग, इटावा।


प्रमाणीय निदेशक,
सामाजिक वानिकी प्रभाग, इटावा।